हमें महिलाओं से आत्मविश्वास सीखना चाहिए

नईदुनिया प्रतिनिधि, जगदलपुर : महिला दिवस पर शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में 'महिला उद्यमिता: आत्मनिर्भर बनती महिलाएं' विषय पर तीन दिवसीय कार्यक्रम बुधवार को प्रारंभ हुआ। इस आयोजन में विभिन्न अध्ययनशाला की छात्राएं गायन, नृत्य, फैंसी ड्रेस, नुक्कड़ नाटक, नृत्य, वाद-विवाद, रंगोली, पोस्टर पेंटिंग, निबंध और सलाद सज्जा में अपनी रचनात्मकता प्रस्तुत दी।

प्रथम दिन छात्राओं ने लघु नाट्य के माध्यम से महिलाओं को साइबर क्राइम से बचने, सामाजिक बुराइयों का सामना करने जैसे कई विषयों पर जागरूकता संदेश दिए। गुरुवार को लाला हाटूम (महिला हाट) का स्टाल भी लगाया गया। इससे पहले शुभारंभ कार्यक्रम में कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि आज हमें महिलाओं से आत्मविश्वास सीखनी चाहिए। महिलाएं आत्मविश्वास से भरी हैं। बस हमें उन पर विश्वास करना है। हम संस्कारों के लिए मां पर निर्भर होते हैं। प्रो. श्रीवास्तव ने यह भी कहा कि पुरुषों को अपने दामन में झांक कर देखना चाहिए। जो भाव-सम्मान हम अपने घर-परिवार

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूकता का संदेश देते हुए। • नईदुनिया

की महिलाओं देते हैं वही भाव-सम्मान हमें समाज की अन्य महिलाओं को देना चाहिए।

प्रो. स्वपन कुमार कोले ने कहा कि पूर्वोत्तर भारत की तरह हमें बस्तर की महिलाओं को भी आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने का प्रयास करना है। महिलाएं संस्कृति की रक्षा करती हैं। प्रो. शरद नेमा ने कहा कि इन स्पर्धाओं के माध्यम से महिलाओं को जागरूक करना है। महिला प्रकोष्ठ की समन्वयक डॉ. सुकृता तिर्की ने कहा कि विवि के छात्राओं का आत्मविश्वास जगाने के साथ-साथ इस आयोजन से महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया है। विवि महिला प्रकोष्ठ, आइआइसी एवं पीएम उष मेरू कम्पोनेंट के संयुक्त प्रयास से आयोजित इस कार्यक्रम में डा. वीके सोनी, डा. सजीवन कुमार, डा. संजय डोंगरे, डा. मनोज, डा. रश्मि देवांगन, डा. तुलिका शर्मा सहित अन्य उपस्थित थे। कार्यक्रम संचालन बीएड फैकल्टी गायत्री सोनी ने किया।

छात्राओं ने दिखाई लया हाटुम से व्यावसायिक प्रतिभा

स्टार्टअप के लिए सीखी मार्केटिंग टेक्निक, विवि में विधि कार्यक्रम

नवभारत रिपोर्टर। जगदलपुर।

महिला दिवस के उपलक्ष्य में शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में चल रहे विविध कार्यक्रमों में गुरूवार को लया हाटूम नाम से सेलिंग स्टॉल लगाया गया। इसमें विवि के छात्राओं के 14 ग्रुप ने स्टार्टअप के उद्देश्य से नवीनता व रचनात्मकता के साथ आर्ट और फूड के प्रोडक्ट प्रस्तुत किए।

प्रतिभागियों ने प्रेरणास्वरूप देश के उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं के नाम से स्टॉल लगाए। विद्यार्थी और शिक्षकों के नए स्वाद और फ्लेवर के साथ प्रस्तुत देशी व्यंजनों और हस्तनिर्मित पारंपरिक कला आभूषणों की खूब सराहना की। बस्तर की संस्कृति से जुड़े पहनावा और आभूषण को युवाओं ने प्रोत्साहन के रूप खरीदारी की। इस आयोजन में विद्यार्थियों ने छत्तीसगढ़ी व्यंजनों में चीला-फरा, बड़ा इत्यादि के स्टॉल लगाए। इसमें तिखूर की शरबत और इसकी बर्फी की खूब तारीफ हुई। विद्यार्थियों ने वनोपज से जुड़े तेंदू फल, चना बूट के भी स्टॉल लगाए। नए फ्लेवर के आईसक्रीम, क्रीम कर्ड, रसमलाई को सभी ने स्वादिष्ट बताया। चार्ट भेल, अप्पे, अंकरित अनाज, फ्रूट सलाद भी नए तरीके से बनाए गए। ज्ञात हो कि विवि में इन दिनों महिला उद्यमिता और आत्मनिर्भर बनती महिलाएं नाम से तीन दिवसीय विविध कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। गुरूवार को वाद-विवाद, रंगोली, पोस्टर पेंटिंग, निबंध और सलाद सज्जा प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया गया।

बस्तर की छात्राएं प्रतिभाशाली : कुलपति

कुलपति प्रो एमके श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों की क्रिएटिविटी की सराहना करते हुए कहा कि बस्तर की छात्राओं में बहुत प्रतिभा है। ये यहां की कलाओं आगे बढ़ाने में सक्षम हैं। विवि छात्राओं को शिक्षा के साथ-साथ व्यवसाय के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर योगदान देने के लिए प्रोत्साहित और सहयोग कर रहा है। विवि इन्हें टेक्निकल ज्ञान देने को प्रतिबद्ध हैं। विवि विद्यार्थियों की सारी प्रतिभाओं को जाग्रत करने का प्रयास कर रहा है।

व्यक्तित्व का होता है समग्र विकास : सुकृता

कार्यक्रम की संयोजक डॉ. सुकृता तिर्की ने कहा कि ऐसे आयोजन से न केवल विद्यार्थियों की कला को एक मंच मिलता है, बल्कि इससे व्यक्तित्व का भी समग्र विकास होता है। विवि आईआईसी इकाई के माध्यम से ऐसे आयोजन से विद्यार्थियों की व्यवसायिक रचनात्मकता सामने आती है। उनमें प्रतिस्पर्धा की सकारात्मक भावना व टीम के साथ काम करने की क्षमता विकसित होती है।

महिला दिवस • बस्तर विवि में आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम का गुरुवार को समापन हुआ

महिला-पुरुष में समानता अभी चुनौती प्रशासनिक जॉब में नारियां पीछे ही हैं

भास्कर न्यूज | जगदलपुर

विश्व महिला दिवस के उपलक्ष्य में बस्तर विश्वविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम का गुरुवार को समापन हुआ। इस अवसर पर संघर्ष कर आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता हासिल करने वाली ग्रामीण मातृत्व शक्ति लक्ष्मी बघेल और पर्वतारोहण में विवि और देश का नाम रौशन करने वाली छात्रा नैना धाकड़ को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया।

समारोह को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि आज भारत और भारतीय समाज को आकार देने वाली मातृत्व शक्ति को नमन करने का दिन है। प्रो. श्रीवास्तव ने कहा कि आज भी दुनिया में जेंडर इक्वेलिटी एक चैलेंज है। व्हाइट कॉलर जॉब में महिलाएं अभी भी पीछे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार जिस गति से हम महिला समानता की दिशा में बढ़ रहे हैं उस गति से हमें महिला समानता के लिए पांच पीढ़ी इंतजार करना होगा। यानी 2155 में हम इस समानता के लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे।

जगदलपुर। कार्यक्रम में शामिल होते कुलपति व अन्य।

मुख्य वक्ता श्वेता राव चितपुरी ने कहा कि उद्यमिता एंटरप्रेन्योरशिप एक प्रोसेस है, यह डेस्टिनेशन या सक्सेस नहीं है। एंटरप्रेन्योरशिप के लिए युवाओं को दिमाग से स्ट्रांग रहना होगा। इसके लिए बिजनेस परिवार का होना जरूरी नहीं है। राव ने कहा कि केवल एक बिजनेस खड़ा कर लेना ही एंटरप्रेन्योरशिप नहीं है। एम सामान्य प्रॉब्लम को सॉल्व करना भी एंटरप्रेन्योरशिप कहलाता है। राव ने कहा कि उद्यमिता के दौरान अकेले के प्रॉफिट के लिए सबके लिए प्रॉब्लम नहीं खड़ी करनी चाहिए। आपको जो अच्छा लगता है उस हॉबी और रूचि को ही आप आगे बढ़ाएं सफलता जरूर मिलेगी। हम अपनी गलतियों से सीखने का प्रयास करें, व्यवसाय में आप गिरकर ऊपर उठ सकते हैं। जब आप व्यवसायिक जर्नी भी शुरूआत करते हैं तो आपको लक्ष्य तय कर लेना चाहिए। राव ने कहा कि नर्चरिंग वुमेन के नेचर में है पर दुनिया को संभालने वाली नारी खुद को संभालना भूल जाती है।

कार्यक्रम के अंत में तीन दिवसीय महिला दिवस कार्यक्रम में विजेता छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। जिसमें वाद-विवाद में हीना व नंदिता, समूह नृत्य में नेहा, मीना, दीपिका, धार, वीर, एकल नृत्य में चंद्रिका, ज्ञानेश्वरी, नुक्कड़ नाटक में भूमिका, रितु, हेरिन, प्रीति, सोनाली, रिबक, विभा, नीलम, एकल गायन में श्वेता, खुशी, समूह गायन में राखी, फैंसी ड्रेस में आकांक्षा, सलाद सज्जा में गितेश्वरी, जागृति, निबंध में दीक्षा, स्नेहा, पोस्टर मेकिंग में लुम्बिनी, ईशा, रंगोली में श्वेता व शैली पटेल को क्रमशः प्रथम व द्वितीय पुरस्कार दिया गया। आयोजन में डॉ. वीके सोनी, डॉ. सजीवन कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

महिलाओं ने हमेशा खुद को साबित किया

कुलसचिव डॉ. राजेश लालवानी ने कहा कि यह सृष्टि नारी और पुरुष के संयोजन से बना है। दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। महिलाओं को जब भी मौका मिला है उन्होंने अपने को साबित कर दिखाया है। इससे पहले अपने स्वागत उद्बोधन में डॉ. सुकृता तिर्की ने कहा कि यह दिवस महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता को समर्पित है। इस अवसर पर विवि में बस्तर विंग नाम की समिति का गठन करने का निर्णय लिया गया है जो लैंगिक समानता, रोजगार, नेतृत्व में समानता, अधिकारों की रक्षा के लिए आवाज उठाने का काम करेगी। कार्यक्रम में वरिष्ठ प्रो. शरद नेमा ने विवि की सभी महिलाओं को महिला दिवस की शुभकामनाएं देते हुए उनके द्वारा किए गए तीन दिवसीय कार्यक्रम की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन डॉ गायत्री सोनी ने किया।

महिला दिवस : बस्तर विवि में जारी तीन दिवसीय आयोज का समापन, लक्ष्मी बघेल, श्वेता व नैना सिंह सम्मानित

भारतीय समाज को आकार देने वाली मातृ शक्ति को किया नमन

पत्रिका

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जगदलपुर . विश्व महिला दिवस के उपलक्ष्य में शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम का गुरूवार को समापन हुआ। इस अवसर पर संघर्ष कर आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता हासिल करने वाली ग्रामीण मातृ शक्ति लक्ष्मी बघेल और पर्वतारोहण में विवि और देश का नाम रौशन करने वाली छात्रा नैना धाकड़ को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि आज भारत और भारतीय समाज को आकार देने वाली मातृत्व शक्ति को नमन करने का दिन है। मुख्य वक्ता श्वेता राव चितपुरी ने कहा कि उद्यमिता एक प्रोसेस है, यह डेस्टिनेशन या सक्सेस नहीं है। एंट्रप्रेन्योरशिप के लिए युवाओं को दिमागसेस्ट्रॉगरहनाहोगा।कुलसचिव डॉ. राजेश लालवानी ने कहा कि ये सृष्टि नारी और पुरूष के संयोजन से बना है। दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। महिलाओं को जब भी मौका मिला है उन्होंने अपने को साबित कर दिखाया है। इससे पहले अपने स्वागत उद्बोधन में डॉ. सुकृता तिर्की ने कहा कि यह दिवस महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता को समर्पित है। इस अवसर पर विवि में बस्तर विंग नाम की समिति का गठन करने का निर्णय लिया गया है जो लैंगिक समानता, रोजगार, नेतृत्व में समानता, अधिकारों की रक्षा के लिए आवाज उठाने का काम करेगी। कार्यक्रम में वरिष्ठ प्रो. शरद नेमा ने विवि की सभी महिलाओं को महिला दिवस की शुभकामनाएं देते हुए उनके द्वारा किए गए तीन दिवसीय कार्यक्रम की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. गायत्री सोनी ने किया।

ग्रामीण मातृ श?क्ति के रूप में लक्ष्मी बघेल को सम्मानित किया।

बस्तर विश्वविद्यालय में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

जगदलपुर, 8 मार्च (देशबन्धु)। विश्व महिला दिवस के उपलक्ष्य में शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम का गुरूवार को समापन हुआ। इस अवसर पर संघर्ष कर आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता हासिल करने वाली ग्रामीण मातृत्व शक्ति लक्ष्मी बघेल और पर्वतारोहण में विवि और देश का नाम रौशन करने वाली छात्रा नैना धाकड़ को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि आज भारत और भारतीय समाज को आकार देने वाली मातृत्व शक्ति को नमन करने का दिन है। प्रो. श्रीवास्तव ने कहा कि आज भी दुनिया में जेंडर इक्वैलिटी एक चैलेंज है। व्हाइट कॉलर जॉब में महिलाएं अभी भी पीछे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार जिस गति से हम महिला समानता की दिशा में बढ़ रहे हैं उस गति से हमें महिला समानता के लिए पांच पीढ़ी इंतजार करना होगा। यानी 2155 में हम इस समानता के लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे।

- छात्राओं ने प्रस्तुत किए आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम
- नुक्कड़ नाटक के माध्यम से साइबर अपराध से बचने किया जागरूक

मुख्य वक्ता श्वेता राव चितपुरी ने कहा कि उद्यमिता (एंट्रप्रेन्योरशिप) एक प्रोसेस है, यह डेस्टिनेशन या सक्सेस नहीं है। एंट्रप्रेन्योरशिप के लिए युवाओं को दिमाग से स्ट्रौंग रहना होगा। इसके लिए बिजनेज परिवार का होना जरूरी नहीं है। श्रीमती राव ने कहा कि केवल एक बिजनेस खड़ा कर लेना ही एंट्रप्रेन्योरशिप नहीं है। एम सामान्य प्रॉब्लम को सॉल्व करना भी एंट्रप्रेन्योरशिप कहलाता है। श्रीमती राव ने कहा कि उद्यमिता के दौरान अकेले के प्रॉफिट के लिए सबके लिए प्रॉब्लम नहीं खड़ी करनी चाहिए। आपको जो अच्छा लगता है, उस हॉबी और रूचि को ही आप आगे बढ़ाएं। सफलता जरूर मिलेगी। हम अपनी गलतियों से सीखने का प्रयास करें। व्यवसाय में आप गिरकर ऊपर उठ सकते हैं। जब आप व्यवसायिक जर्नी भी शुरूआत करते हैं तो आपको लक्ष्य तय कर लेना चाहिए। श्रीमती राव ने कहा कि नर्चरिंग वुमैन के नेचर में है पर दुनिया को संभालने वाली नारी खुद को संभालना भूल जाती है। कुलसचिव डॉ. राजेश लालवानी ने कहा कि ये सृष्टि नारी और पुरूष के संयोजन से बना है। दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। महिलाओं को जब भी मौका मिला है उन्होंने अपने को साबित कर दिखाया है। इससे पहले अपने स्वागत उद्बोधन में डॉ. सुकृता तिर्की ने कहा कि यह दिवस महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता को समर्पित है। इस अवसर पर विवि में बस्तर विंग नाम की समिति का गठन करने का निर्णय लिया गया है जो लैंगिक समानता, रोजगार, नेतृत्व में समानता, अधिकारों की रक्षा के लिए आवाज उठाने का काम करेगी।

कार्यक्रम में वरिष्ठ प्रो. शरद नेमा ने विवि की सभी महिलाओं को महिला दिवस की शुभकामनाएं देते हुए उनके द्वारा किए गए तीन ➤➤ शेष पृष्ठ 9 पर ➤

7:34 am

बस्तर विश्वविद्यालय...

दिवसीय कार्यक्रम की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. गायत्री सोनी ने किया। कार्यक्रम के अंत में तीन दिवसीय महिला दिवस कार्यक्रम में विजेता छात्राओं को पुरस्कृत किया गया जिसमें वाद-विवाद में हीना व नंदिता, समूह नृत्य में नेहा, मीना, दीपिका, धार, वीर, एकल नृत्य में चंद्रिका, ज्ञानेश्वरी, नुक्कड़ नाटक में भूमिका, हरितु, हेरिन, प्रीति, सोनाली, रिबक, विभा, नीलम, एकल गायन में श्वेता, खुशी, समूह गायन में राखी, फैंसी ड्रेस में आकांक्षा, सलाल सज्जा में गितेश्वरी, जागृति, निबंध में दीक्षा, स्नेहा, पोस्टर मेकिंग मे लुम्बिनी, ईशा, रंगोली में श्वेता व शैली पटेल को क्रमशः प्रथम व द्वितीय पुरस्कार दिया गया। आयोजन में डॉ. वीके सोनी, डॉ. सजीवन कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

7:34 am